एक नजर में

'द वन एंड ओनली' कैंपेन लॉन्च

इंदौर. ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने अपना नया कैंपेन 'द वन एंड ओनली' लेकर आया है- सफलता की एक नई और प्रभावशाली कहानी. आज के समय में, जब सफलता के कई रूप दिखाई देते हैं और प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, तब ब्रांड एक सरल सच सामने लाता है. इस नए कैंपेन में इस भावना को तीन चेहरों ङ्क अवंती नगरथ, किरनदीप चहल और माहका शर्मा- के जरिए दिखाया गया है। ये तीनों ब्रांड के अलग-अलग पहलुओं को दर्शाती हैं. देबाश्री दासगुप्ता, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, पर्नोड रिकार्ड इंडिया ने कहा, ब्लेंडर्स प्राइड हमेशा स्टाइल और प्रतिष्ठा के साथ सफलता की ताकत पर विश्वास करता रहा है. 'द वन एंड ओनली' सफलता की एक नई सोच पेश करता है, जो अलग पहचान से प्रेरित है. यह उस सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को उजागर करता है कि आज भारत का महत्वाकांक्षी युवा केवल सफल होना ही नहीं चाहता, बल्कि आत्मविश्वास के साथ अलग पहचान भी बनाना चाहता है. सफलता की इसी नई सोच के साथ ब्लेंडर्स प्राइड युवाओं की प्रबल आकांक्षाओं को दर्शाता है और एक प्रेरणादायक सांस्कृतिक लीडर के रूप में अपनी पहचान और मजबूत करता है.

प्रवीण मसालेवाले ने सुहाना नूर रेंज को लॉन्च किया

इंदौर. प्रविण मसालेवाले ने सुहाना नूर को लॉन्च करके अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। यह मिश्रित मसालों की एक नई रेंज है जिसे घर पर खाना बनाते समय पारंपरिक मुगलई खाने के असली स्वाद को फिर से बनाने के लिए विकसित किया गया है. लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, प्रविण मसालेवाले के स्ट्रैटेजी, मार्केटिंग और फाइनेंस के निर्देशक विशाल चोरडिया ने कहा, सुहाना में, हमने हमेशा इलाकाई स्वाद के हिसाब से उत्पाद तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया है, चाहे वह हमारी गुजरात स्पेशल रेंज हो या कर्नाटक स्पेशल उत्पाद. खास तरह के खाने के लिए मसालों के मिश्रण की मांग बढ़ रही है, खासकर नॉन-वेजिटेरियन डिशेज़ के लिए जो आजकल घरों में ज़्यादा बनाई जा रही है. सुहाना नूर के साथ, हमारा मकसद पॉपुलर मुगलई रेसिपी बनाने को आसान बनाना है, साथ ही उनके असली स्वाद को भी बनाए रखना है. रेस्टोरेंट में पॉपुलर होने के बावजूद, पैकेट वाले मसालों के सेगमेंट में मुगलई खाना अभी भी कम है, और यह रेंज रोज़ाना घर पर खाना बनाने के लिए सुविधाजनक, किफ़ायती मिश्रण के साथ इस कमी को पूरा करना चाहती है.

समाजसेवी अधिवक्ता रेखा बोरीवाल का सम्मान

इंदौर. निर्धन, गरीब एवं असहाय महिलाओं के लिए मात्र 1 रुपये फीस में केस लड़ने और निशुल्क कानूनी सलाह उपलब्ध कराने वाली उच्च न्यायालय अधिवक्ता रेखा बोरीवाल को इंदौर में सम्मानित किया गया. मध्य प्रदेश फाग उत्सव कार्यक्रम एवं सम्माननीय अधिवक्ताओं के सम्मान-स्वागत समारोह 2026 के अवसर पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के संयोजक राजेश खंडेलवाल द्वारा अधिवक्ता रेखा बोरीवाल को शील्ड भेंट कर सम्मानित किया गया. यह कार्यक्रम इंदौर में आयोजित हुआ. कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि रेखा बोरीवाल वर्षों से समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही हैं. मात्र 1 रुपये की फीस लेकर केस लड़ने की उनकी पहल न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि समाज में न्याय की पहुंच को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी है. सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित अधिवक्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उनके सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अनुकरणीय बताया.

फेमिना मिस इंडिया रनर्स-अप पहुंची शिवराजपुर बीच

इंदौर. गुजरात का खूबसूरत शिवराजपुर बीच एक बार फिर चर्चा में है. इस बार यहाँ पहुँचीं फेमिना मिस इंडिया 2023 की फर्स्ट रनर-अप श्रेया पूंजा और 2024 की फर्स्ट रनर-अप रेखा पांडे, जिन्होंने इस ब्लू फ्लैग बीच के अनुभव को खास बताया. द्वारका के निकट स्थित यह समुद्र तट प्राकृतिक सौंदर्य और आधुनिक सुविधाओं का बेहतरीन मेल है. शांत समुद्र तल, साफ पानी और तय गतिविधि क्षेत्रों के कारण यहाँ वाटर स्पोर्ट्स सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संचालित होते हैं. रेखा पांडे ने कहा शिवराजपुर की सबसे बड़ी खासियत इसकी खुली और सकारात्मक ऊर्जा है. यहाँ रोमांच है, लेकिन साथ ही सुकून भी है. भविष्य में यहाँ म्यूज़िक फेस्टिवल या बड़े इवेंट्स होते देखना बेहद रोमांचक होगा. यह स्थान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है. बेयत द्वारका और सांस्कृतिक नगरी माधवपुर की नजदीकी इसे पर्यटन सर्किट का अहम हिस्सा बनाती है. सुदर्शन सेतु के बनने से यात्रा और भी आसान हो गई है. श्रेया पूंजा ने कहा यह देखकर खुशी होती है कि समुद्र तट को भविष्य को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है. यह सिर्फ आज का नहीं, आने वाले समय का भी गंतव्य है.

अरमान मलिक के चार्टबस्टर्स के साथ अद्वित्या-26 का समापन

इंदौर. व्यापक छात्र-नेतृत्व वाले उत्सवों में से एक अद्वित्या'26 का समापन वीआईटी भोपाल में भव्य अंदाज़ में हुआ, जब लोकप्रिय गायक अरमान मलिक ने क्लोजिंग नाइट की शोभा बढ़ाई. उन्होंने न केवल अपने चर्चित चार्टबस्टर गीतों की दमदार प्रस्तुति दी, बल्कि मंच पर एक ऐसा विशेष क्षण भी रचा जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा. कार्यक्रम का उद्घाटन वीआईटी के चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन के नेतृत्व में हुआ. इस अवसर पर वाइस प्रेसिडेंट शंकर विश्वनाथन, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट कादंबरी एस. विश्वनाथन, ट्रस्टी रमणी बालासुंदरम उपस्थित रहीं. इसकी शुरुआत 21 से 24 फरवरी तक आयोजित स्पोर्ट्स फेस्ट से हुई, जिसमें 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने नौ प्रमुख खेल विधाओं में हिस्सा लिया. 26 से 28 फरवरी तक आयोजित टेक्नो-सांस्कृतिक उत्सव ने इसी ऊर्जा को आगे बढ़ाया. स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणव शर्मा ने अपनी प्रस्तुति से शुरुआत करते हुए छात्रों के साथ तुरंत जुड़ाव स्थापित किया. ग्रैंड फिनाले में अरमान मलिक ने रोमांटिक बैलेड्स और ऊर्जावान पॉप हिट्स का संतुलित मिश्रण प्रस्तुत कर हजारों दर्शकों को एक साथ गाने पर मजबूर कर दिया.

एक्सिस बैंक के वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही के नतीजे

इंदौर. एक्सिस बैंक ने आज अपने वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही के वित्तीय नतीजों की घोषणा की. बैंक ने इस तिमाही में 6,490 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया. बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम सालाना आधार पर 5% और तिमाही आधार पर 4% बढ़कर 14,287 करोड़ रुपए रही. वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही के लिए बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन 3.64% रहा. औसत तिमाही बैलेंस के आधार पर कुल जमाएं तिमाही आधार पर 5% और सालाना आधार पर 12% बढ़ीं. एमईबी कासा अनुपात 39% रहा, जो बड़े समकक्ष बैंकों में सर्वश्रेष्ठ स्तरों में शामिल है. 31 दिसंबर 2025 तक बैंक का ग्रॉस एनपीए 1.40% और नेट एनपीए 0.42% रहा. एक्सिस बैंक के एमडी और सीईओ अमिताभ चौधरी ने कहा इस तिमाही में हमारी प्रगति इस बात को दर्शाती है कि हम ऐसे समाधान तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो वास्तव में मायने रखते हैं- क्रेडिट तक पहुंच को सरल बनाना, डिजिटल बैंकिंग को नए सिरे से परिभाषित करना और ऐसे टैलेंट व विचारों में निवेश करना जो भविष्य को आकार देंगे.

एक्सिस बैंक की एमएसएमई के लिए गोल्ड लोन सुविधा

इंदौर. एक्सिस बैंक ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अपनी गोल्ड लोन योजना लॉन्च की हैय यह एक सुरक्षित ओवरड्राफ्ट सुविधा है, जिसके तहत छोटे कारोबारी अपने मौजूदा स्वर्ण आभूषणों के बदले त्वरित, लचीली और न्यूनतम दस्तावेज़ी प्रक्रिया के साथ नकदी प्राप्त कर सकते हैं. यह उत्पाद व्यक्तिगत उद्यमियों और एकल स्वामित्व वाले व्यवसायों के लिए उपलब्ध है, चाहे वे एक्सिस बैंक के पुराने ग्राहक हों या नए. यह सुविधा देशभर की 3300 से अधिक गोल्ड-लोन सक्षम शाखाओं में शुरू की गई है. लॉन्च पर एक्सिस बैंक के ग्रुप एग्जीक्यूटिव एवं भारत बैंकिंग हेड, बिपिन सराफ ने कहा छोटे व्यवसाय भारत की आर्थिक गति की रीढ़ हैं, लेकिन उन्हें समय पर कार्यशील पूंजी मिलना अब भी एक बड़ी चुनौती है. एमएसएमई के लिए हमारा गोल्ड लोन इसी अंतर को भरने के लिए बनाया गया है, जो सुरक्षित ऋण की मजबूती को गति, लचीलापन और सरल शाखा-आधारित अनुभव के साथ जोड़ता है. मजबूत जोखिम प्रबंधन और अनुशासित अंडरराइटिंग के माध्यम से हम स्वर्ण के बदले अधिक ऋण पात्रता प्रदान कर पा रहे हैं, ताकि एमएसएमई बिना किसी बाधा के अपनी व्यावसायिक जरूरतें पूरी कर सकें.

आज रंगों की मस्ती से सराबोर रहेगा शहर, धूमधाम से मनाया जाएगा धुलेंडी पर्व

नवभारत न्यूज़

इंदौर. 2 मार्च को होलिका दहन के बाद 3 मार्च को पड़ रहे ग्रहण के कारण होली नहीं खेली गई. हालांकि इससे बच्चों और बड़ों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है. ग्रहण समाप्त होने के बाद बुधवार को पूरे हर्षोल्लास और उमंग के साथ रंगों का त्योहार मनाया जाएगा.

बच्चों में होली को लेकर खास उत्साह है. सुबह से ही बच्चे रंग-बिरंगी पिचकारियां और गुलाल की तैयारी में जुटे हैं. मोहल्लों में बच्चों की टोलियां होली खेलने की योजनाएं बनाती नजर आ रही हैं. बच्चों का कहना है कि भले ही एक दिन का इंतजार करना पड़ रहा है, लेकिन कल वे दोगुने उत्साह के साथ होली खेलेंगे.

बुजुर्ग देंगे प्रेम और सौहार्द का संदेश-बुजुर्गों ने भी पारंपरिक तरीके से होली मनाने की तैयारी की है. वे एक-दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिलेंगे और समाज में भाईचारे, प्रेम और सम्मान का संदेश देंगे.

बाजारों में बनी रही रौनक-होली को लेकर बाजारों में अच्छी खासी भीड़ देखने को मिल रही है. हर्बल गुलाल, प्राकृतिक रंग, पिचकारी और मिठाइयों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ जुट रही है. व्यापारियों को उम्मीद है कि होली खेलने के दिन बिक्री और बढ़ेगी. मिलजुल कर मनाएंगे रंगों का पर्व-ग्रहण के कारण एक दिन की देरी जरूर हुई है, लेकिन उत्साह में कोई कमी नहीं है. सभी वर्गों के लोग बुधवार को मिलजुल कर रंगों का यह पर्व मनाएंगे और आपसी भाईचारे व एकता की मिसाल पेश करेंगे.

//रंग बिरंगी होली//

■ आसमान में उड़ते रंग, किलौले करते पक्षी, मन में उठ रहे कई गुब्बार,
हो जाये हर कोई बेबस, जब हो किसी अल्हड गौरी का दीदार।।

■ भाग्यशाली है वो गौरी, जो खेले पिया संग होली,
नही तो पछतायेगी गौरी, जब पिया खेले सखी संग होली।।

■ हिलोले करती, किलोले करती, पिचकारी में रंग भरती बच्चों की टोलियां,
सरर छूट रहा है पानी और रंग, मार रही है गुब्बारे संग धमाल करती छोरियां।।

■ देखा रंगो में भीगी गौरी को, नखराली, सकुचाई सी छुईमुई सी, सजी हरे कुर्ते, पीली सलवार और गुलाबी डुपट्टे में,
लाजवंती और रूपवंती, राजा दुष्यंत की शकुंतला, प्रकृति भी खिल गयी उसकी खिदमत में।।

■ खूब खाओं माखन, रसगुल्ला और रसमलाई।
और साथ में हो दहीबड़ा, भुजिया, कुल्फी और गुजिया, फिर क्या कहना, हमारी तो उड़ आई।

■ भांग छान रहे है अपनी फितरत में, मस्त है कई लाला।
लोग लुगाई खेले होली, बतियाते गाली और करते बड़ा गड़बड़ झाला।।

■ खेलो भैया खुब जमकर होली,
रंग दो सबको ऐसा, भरजाये, खुशियों से सबकी झोली।।

नवल मंजू जैन

तब की होली, अब की होली

फागुन की बयार जब बहती थी,
मन की वीणा झंकृत होती थी,
वह होली थी।
जो केवल रंग नहीं,
रिश्तों की रागिनी होती थी।
तब की होली:
टेसू के फूल उबालकर
माँ रंग घोला करती थी,
आँगन में बैठी दादी
फाग सुनाया करती थी।
ढोलक की थाप पर
गाँव गुनगुनाता था,
कृष्ण की छेड़छाड़ में
राधा-सा संकोच मुस्कुराता था।
अबीर गुलाल में
आशीष घुला होता था,
हर रंग के पीछे
एक अपनापन खिला होता था।
वह होली तन से पहले
मन को रंग जाती थी,
मनमुटाव की होलिका
चुपके से जल जाती थी।
और अब की होली:
रंग तो हैं, पर गंध नहीं,
भीड़ है, पर संबंध नहीं।
तेज़ ध्वनि में खो गया
फाग का मधुर गान,
सेल्फी की मुस्कानों में
कहाँ रहा वह सच्चा मान?
पानी की फुहारों में
हँसी तो बहुत दिखती है,
पर भीगे हुए मन की
प्यास कहाँ बुझती है?
रंगों की चकाचौंध में
संस्कार धुँधले पड़ते हैं,
होली के बहाने कभी-कभी
मर्यादा के दीप भी बुझते हैं।

फिर भी आश है कि
अगर हम चाहें,
तो फिर से वह होली ला सकते हैं
जहाँ रंगों में प्रेम हो,
गीतों में सौहार्द हो,
और हँसी में सम्मान हो।
तो आओ इस बार
केवल चेहरे नहीं,
मन भी रंगें।
द्वेष, अहंकार और ईर्ष्या की
होलिका जलाएँ।
और फिर
प्रेम का अबीर उड़ाएँ,
मानवता का गुलाल लगाएँ।
तभी तो कह सकेंगे
होली आई है,
और सचमुच हमने
दिल से मनाई है।

डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ओमप्रिया

बिलावली तालाब की बिगड़ती सेहत...

गंदे पानी, अतिक्रमण और लापरवाही से गहराया संकट

नवभारत न्यूज़

इंदौर. कभी आसपास की कॉलोनियों की प्यास बुझाने वाला बिलावली तालाब आज खुद संरक्षण और सुधार की मांग कर रहा है. गंदे ड्रेनेज पानी की आवक, अतिक्रमण, प्लास्टिक कचरे और असामाजिक गतिविधियों के कारण तालाब की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है.

स्थानीय रहवासी और 'बिलावली तालाब ग्रुप' द्वारा कई बार सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई है. ड्रेनेज का गंदा पानी सीधे तालाब मेंसबसे गंभीर समस्या तालाब में मिल रहा ड्रेनेज का गंदा पानी है. आरोप है कि आसपास के नालों का दूषित पानी सीधे तालाब में छोड़ा जा रहा है, जिससे जल की गुणवत्ता लगातार गिर रही है. रहवासियों का कहना है कि यदि यह स्थिति बनी रही, तो भविष्य में यह जलस्रोत उपयोग योग्य नहीं बचेगा.

अतिक्रमण से बाधित प्राकृतिक प्रवाह- तालाब को भरने वाले पहाड़ी क्षेत्र के प्राकृतिक चैनलों पर अवैध कब्जे और निर्माण हो चुके हैं. इससे वर्षा जल पर्याप्त मात्रा में तालाब तक नहीं पहुंच पाता और जलस्तर कम बना रहता है.

असामाजिक गतिविधियां -तालाब का सीमांकन अधूरा है तथा कई स्थानों पर सुरक्षा जाली टूटी हुई है, जिससे असामाजिक तत्वों का आवागमन बढ़ गया है. तालाब के आसपास प्लास्टिक, घरेलू कचरा, होटल और अस्पताल का अपशिष्ट तक फेंके जाने की शिकायतें सामने आई हैं. पाल पर देर रात तक असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है, जिससे क्षेत्र में असुरक्षा का वातावरण बनता है.

युवाओं की लापरवाही भी जिम्मेदार

स्कूल, कॉलेज और कोचिंग के छात्र तालाब किनारे समय बिताते हैं और खाने-पीने की वस्तुओं के रैपर व अन्य कचरा वहीं छोड़ देते हैं. जागरूकता और निगरानी के अभाव में गंदगी की समस्या लगातार बढ़ रही है.

जलसंकट का बढ़ता खतरा...

यदि ड्रेनेज का पानी तालाब में मिलना बंद नहीं हुआ और सफाई व्यवस्था सुदृढ़ नहीं की गई, तो भविष्य में क्षेत्र को गंभीर जलसंकट का सामना करना पड़ सकता है. स्थानीय नागरिकों का मानना है कि तालाब की वर्तमान दुर्दशा की अनदेखी शहर के लिए भारी पड़ सकती है.

रहवासियों की प्रमुख मांगें

■ ड्रेनेज लाइन तुरंत बंद कर शुद्ध जल की व्यवस्था की जाए.
■ अतिक्रमण हटाकर प्राकृतिक जल चैनलों को मुक्त कराया जाए.
■ सीमांकन और सुरक्षा जाली को दुरुस्त किया जाए.
■ नियमित सफाई, निगरानी और सुरक्षा गश्त बढ़ाई जाए.

समस्या दूर कर रहे हैं : अपर आयुक्त

अपर आयुक्त आशीष पाठक ने बताया कि तालाब में गंदे पानी और अतिक्रमण की समस्या संज्ञान में है. इसका दौरा एमआईसी मेंबर ओर स्थानीय पार्षद के साथ हो चुका है वर्क ऑर्डर के तहत जल्द ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा. चैनलों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी. आसपास की कॉलोनियों के रहवासी संघों को पत्र जारी कर ड्रेनेज का उचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं. चेतावनी दी गई है कि तालाब में गंदा पानी छोड़े जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी. प्रशासन ने तालाब को पुन: अतिक्रमण मुक्त कर व्यवस्थित करने का आश्वासन दिया है.

महापौर रंगपंचमी की गेर में नहीं होंगे शामिल

नव भारत न्यूज

इंदौर. इस साल महापौर रंगपंचमी पर नगर निगम की गेर में मुखिया के तौर पर शामिल नहीं होंगे. इसका कारण भागीरथपुरा की घटना है, जिसमें दूषित पानी से 36 मौतें हो गई थी. यह बात अलग है कि नगर निगम के वाहन और टीम गेर में शामिल होंगे.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस साल रंगपंचमी की गेर में शामिल नहीं होने का एलान किया है. यही नहीं महापौर ने हर साल अपने घर पर मनाए जाने वाले फाग उत्सव का कार्यक्रम नहीं रखा है. महापौर भार्गव ने आज कहा कि भागीरथपुरा में दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित होने से इस साल मैं किसी कार्यक्रम में भाग नही लूंगा. उन्होंने स्पष्ट किया कि रंगपंचमी पर नगर निगम की टीम और वाहन गैर में शामिल होंगे और उसका प्रतिनिधित्व किसी और को सौंप कर परंपरा बरकरार रखी जाएगी.

इस बार बजरबट्टू पर भी छाया भागीरथपुरा संकट का साया

नव भारत न्यूज

इंदौर. हर साल शहर के पश्चिम क्षेत्र में रंगपंचमी की पूर्व संध्या पर मनाया जाने वाला बजरबट्टू सम्मेलन भी आयोजित होने की संभावना नहीं है. चर्चा है कि भागीरथपुरा कांड के कारण कैलाश विजयवर्गीय ने इस साल सम्मेलन में आने से मना कर दिया है. उक्त सम्मेलन आयोजनकर्ता कैलाश विजयवर्गीय को विभिन्न चरित्र में तैयार कर मंच पर प्रस्तुत करते हैं.

इस साल नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शहर के प्रसिद्ध बजरबट्टू कवि सम्मेलन से खुद को अलग कर लिया है. अभी तक विजयवर्गीय चाचा चौधरी, चाणक्य और कई पात्रों का रूप धारण कर चुके है. वहीं एक चर्चा यह भी है कि उक्त आयोजन को करने के लिए अब जगह नहीं बची है. आयोजन स्थल पर मेट्रो रेल स्टेशन की चद्दर फेंसिंग हो गई है. हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि विजयवर्गीय मान जाएंगे और बजरबट्टू सम्मेलन में इस बार फिर किसी नए चरित्र को लेकर मंच पर नजर आएंगे.

आयोजनकर्ता के सूत्र बता रहे हैं कि आयोजक अशोक चौहान ने इच्छा जाहिर की है कि आयोजन कैलाश विजयवर्गीय के लिए होता है और वो नहीं तो आयोजन भी नहीं वाली स्थिति भी हो गई है. इस बारे में आयोजनकर्ता अशोक चौहान को कॉल किया था, लेकिन उनका नंबर बंद आ रहा था.

निगम ने रंगपंचमी गैर मार्ग से केबल हटाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में रंगपंचमी पर निकलने वाली पारंपरिक गैर के लिए सड़क से अव्यवस्थित केबल वायर हटाने का अभियान शुरू किया. निगम ने यह कार्रवाई सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए की है. आज केबल वायर हटाने का अभियान सराफा चौराहे से सराफा थाने तक चलाया गया.

नगर निगम झोन 2 के अधिकारियों ने आज से रंगपंचमी पर निकलने वाली गैरों के मार्गों से केबल वायर हटाने की कार्रवाई शुरू की. आज कार्रवाई के पहले चरण में विजय चाट हाउस चौराहा से सराफा थाना के मध्य की गई. उक्त पूरी सड़क पर कई स्थानों पर केबल तार नीचे लटके होने के साथ अव्यवस्थित रूप से फैले हुए थे, जो गैर के दौरान बाधा उत्पन्न कर सकते थे. इसके बाद दूसरे चरण में गैर मार्ग की अन्य सड़कों से सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केबल वायर हटाने की कार्रवाई होगी. ध्यान रहे कि आयुक्त क्षितिज सिंघल ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि गैर मार्ग पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, बाधक सामग्री अथवा असुरक्षित ढांचे को तत्काल हटाया जाए. शहर में रंगपंचमी का आयोजन सुरक्षित, सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके. कार्रवाई में नगर झोन क्रमांक 2 के उप यंत्री प्रिंस भारद्वाज एवं निगम का दल मौजूद था.

एक नजर में

अभिनव कला समाज में दो घरानों के कलाकारों की दर्जेदार साझा प्रस्तुति

पारंपरिक बंदिशों से होली के रंग में सराबोर किया श्रोताओं को

इंदौर. अभिनव कला समाज में होली के अवसर पर शास्त्रीय व उपशास्त्रीय संगीत सभा 'अभिनव सुरों के संग, होली के रंग' का आयोजन हुआ. इस कार्यक्रम में ग्वालियर घराने के पं. सुनील मसूरकर एवं जयपुर-अतरौली, ग्वालियर घराने की डॉ. पूर्वी निमगांवकर मंच पर थे.

दोनों कलाकारों ने प्रथम चरण में राग यमन में मध्यलय तीन ताल की पारंपरिक बंदिश 'अरी अली ऐरी आली पिया बिन' से प्रारम्भ किया, जिसमें शुरूआती आलापी में सामंजस्य दिखा, जिसमें दो घरानों के अलग-अलग चलन और एक ही राग के बहलावे फाग में बसंत की बयार से प्रतीत हो रहे थे. दोनों कलाकारों की साझेदारी का दर्जेदार प्रदर्शन नज़र आया. इसके पश्चात सकल ब्रजधूम बंदिश की आलापी एवं मिश्र पीलू में ठुमरी सुंदरता से प्रस्तुत की जिसमें शब्दों का माधुर्य और दोनों कलाकारों का अच्छा तालमेल दिखा. इस पारंपरिक बंदिश को दोनों ने बहुत सजाया-संवारा. इसके पश्चात प्रसिद्ध दादरा 'रंगी सारी गुलाबी चुनरिया हो' की प्रस्तुति से श्रोता सुरों के रंग में रंग गए. कार्यक्रम के अंतिम दौर में भैरवी का दादरा जिसके बोल थे 'पिचकारी ना मारो मोरी भींज गयी नई सारी' गाया. भैरवी की साझेदारी को श्रोताओं ने खूब सराहा. अंत में द्रूत तराना गाकर आयोजन का समापन हुआ जिसमें तबले के साथ जुगलबंदी ने समां बाँध दिया. तबले पर पं. हितेंद्र दीक्षित ने बेहद शानदार संगत की जिसमे बोलों की काट परज तथा ठुमरी में बजाई गयी लग्गीयां कार्यक्रम में केसर सी खुशबु बिखेर रहे थे. हारमोनियम पर रवि किल्लेदार ने संगत की. प्रारंभ में अभिनव संगीत प्रशिक्षण केंद्र के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की.

फूलों और गुलाल से खेली होली

कार्यक्रम में समाजसेवी डॉ. भरत शर्मा, वरिष्ठ संगीत शिक्षिका राजेश्वरी दीक्षित, समाजसेवी अनिल धड़वईवाले, अभिनव कला समाज के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, पं. सुनील मसूरकर एवं डॉ. पूर्वी निमगांवकर ने दीप प्रज्ज्वलन किया. अंत में प्रधानमंत्री सत्यकाम शास्त्री ने आभार व्यक्त किया. संचालन डॉ. शिल्पा मसूरकर ने किया. कार्यक्रम के पश्चात कलाकारों एवं श्रोताओं ने फाग गीतों पर फूलों एवं गुलाल से होली खेली।